यक्षराज् *m.* (Yaks'orum rex e praec. et राज्, nom. राट्) nomen *Kuvêri.*

यक्षी *f.* (a यक्ष signo *fem.* ई) *Yakschia.* N. 12. 120.

यछ् v. यम्.

1. यज् 1. *P. A.* (in formis puris, Precativo *A.* excepto, nec non in syllabâ repetitâ praet. redupl., syllaba य corripitur in इ) 1) colere *deos.* Bh. 9. 23.: ये ऽप्य् अन्या देवता भक्ता यजन्ते ... ते ऽपि माम् एव ... यजन्ति. 2) sacrificare. Mah. 1. 4687.: अस्मिंश्च यजमाने ... उपागमंस् ततो देवाः; R. Schl. I. 15. 14.: लप्स्यसे पुत्रान् यदर्थं यजसे. *C. instr.* sacrificii. Su. 2. 13.: यज्ञैर् यजन्ति ये केचिद् याजयन्ति च ये द्विजाः; N. 5. 45.: ईजे चा 'प्य् अश्वमेधेन; 12. 14.: अश्वमेधादिभिर् वीर क्रतुभिः ... इष्ट्वा; 36. 38.: ईजे च विविधैर् यज्ञैः. *Etiam c. acc. sacrificii.* R. Schl. I. 31. 5.: यज्ञं यजमाने; 15. 3.: अयजत् पुत्रीयाम् इष्टिम् पुत्रेप्सुः. *C. acc. pers.* R. Schl. I. 14. 7.: इष्टवान् अश्वमेधेन भवतः (cf. ज्ञ c. acc.). 3) initiare, inaugurare. R. Schl. II. 56. 18. 21.: शालां यक्ष्यामहे. 4) dare. Bhatt. 8. 49.: यजन्तीभिः स्वविग्रहान् (Schol. ददतीभिः कामिभ्यः). — *Caus.* sacrificium alicujus peragere, *de sacerdote.* Su. 2. 13.: R. Schl. I. 10. 26.: पुत्रकामम् इमन् तात त्वं याजयितुम् अर्हसि. — *Desid.* sacrificare velle. Mah. 2. 59.: यियक्षमाण. (Gr. ἅζω; ἅγιος = यज्य e यज्य, v. याग.)

2. यज् (r. यज्) colens, adorans *deos, in fine compos.* Bh. 7. 23.

यजुस् *n.* (r. यज् s. उस्) nomen unius quatuor *Vêdorum.* Bh. 9. 17.

यज्ञ *m.* (r. यज् s. न, v. *euph. r.* 93.) sacrificium. Br. 2. 24. Bh. 9. 15. 20.

यज्वन् *m.* (r. यज् s. वन्) sacrificator. In. 1. 16.

1. यत् 1. *A. interdum P.* operam dare, niti, studere, *c. loc. vel infin.* N. 15. 4.: सर्वं यतिष्ये तत् कर्तुम्; 17. 29.: नलस्या 'नयने यत; 34.: यतध्वन् नलमार्गणे; H. 4. 33.: अपनेतुश्च यतितो नचै 'व शकितो मम. — *Absol.* H. 1. 4.: यतमाना वनं राजन् गहनम् प्रतिपेदिरे. (Cf यस्, gr. ζητέω = Caus. vel cl. 10. यातयामि. Cum Pottio huc traxerim lat. *nîtor* = नि + यत्, ejectâ syllabâ य, vel correpto *ya* in *i.*)

c. आ niti, inniti *aliquâ re*, pendere *ex aliquâ re.* Hit. 52. 9.: स्वयत्नायत्तः; 48. 7.

c. आ praef. सम् *id., cum loc.* Mah. 3. 10484.: आसाम् प्राणाः समायत्ता ममचा 'त्रै 'कपुत्रके.

c. प्र *i. q. simpl.* N. 17. 33.: प्रयतन्तु तव प्रेष्याः पुण्यश्लोकस्य मार्गणे; 18. 16.

2. यत् 10. *P.* (निकारोपस्कारयोः *K.* खेदोपस्कारयोः *V.*) offendere, vexare; parare.

c. निस् 1) reddere, restituere. Mah. 3. 16596.: तस्मै तद् भरतो राज्यम् ... निर्यातयामास; 13182. 2) condonare, ignoscere. Mah. 1. 3018.: यमः ... तस्य निर्यातयति दुष्कृतम्.

c. निस् praef. प्रति reddere. Mah. 3. 13183.

c. प्रति removere, abjicere, finire. Mah. 3. 14728.: धार्तराष्ट्रवधञ् कृत्वा वैराणि प्रतियात्यच.

c. वि non condonare, punire, *c. acc. pers. et rei.* M. 1. 3019.: तं यमः पापकर्माणाम् वियातयति दुष्कृतम्.

3. यत् (nom. यस्, या, यत्, gr. 272.) qui. Dr. 2. 5. 6. 7. — *Repetitum,* quicunque. N. 5. 12. Bh. 3. 21. — *Antecedente vel sequente Relativo vi attractionis etiam notio* aliquis *per Relativum exprimitur* (cf. locutiones ut कः कम् quis aliquem, v. किम्), *e. c.* Hitop. 20. 60.: यो ऽत्ति यस्य यदा मांसम् qui alicujus; 53. 2.: यद् एव रोचते यस्मै quod alicui; 17. 9.: यद् येन युज्यते quo aliquid. *Repetitum,* Hit. 53. 3.: यस्य यस्य हि यो भावः quae alicujus est natura. — Cum sequente को ऽपि quivis, quisque. N. 26. 9. Cum sequente कश्चित् quicunque, *wer irgend.* Su. 2. 13. — *De constructionibus ut* यस् त्वम् quia tu, यान् इमान् quia hos *v. p.* 39. *s. v.* इदम्. (Gr. ὅς c. spir. asp. pro य sicut in ἅζω, ὑμεῖς, ὑσμίνη = यज्, युष्मे dial. Vêd., युध्; lith. *ji-s* is pro *ja-s*, dat. *ja-m* = यस्मै, loc. *ja-me* = यस्मिन्; slav. *i* eum, *jú* eam, *i-sche* qui, *ja-sche* quae; goth. *ja-bai* si, *jau* an. Huc etiam pertinet particula enclitica *ei* = *î*, quod cum demonstrativo conjun-